



https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

ड्रग थेरेपी

के संस्करण 2016

7. मथियोट्रेक्सेट

7.1 वविरण

यह एकऐसी दवा है जिसे गठिया रोग संबंधी बमारियों में कई वर्षों से उपयोग किया जा रहा है। इसे पहले कैसर के इलाज में उपयोग किया जाता था क्योंकि यह कोशिकाओं के वभाजन को धीमा करती है।

फरि भी यह प्रभाव अधिक डोज में ही महत्वपूर्ण होता है। कम मात्रा में रुक रुक कर दी जाने वाली डोज अपना अन्य प्रतिक्रियों के द्वारा सूजन को कम करती है। कम डोज से दवा के बुरे प्रभाव कम होते हैं तथा उनकी देखरेख आसान होती है।

7.2 डोज / देने का तरीका

मथियोट्रेक्सेट दो मुख्य रूपों में मिलती है: खाने वाली दवा तथा इंजेक्शन। इसे हप्ते में एक निर्धारित दिन पर एक बार दिया जाता है। डोज १०-१५ मग्रा / मी² / सप्ताह (अधिकतम २० मग्रा प्रति सप्ताह) है। फॉलकि एसडि या फोलनिक एसडि इस दवा को देने के २४ घंटे बाद देने से कुछ बुरे प्रभाव कम होते हैं।

डोज तथा देने का तरीका, चकित्सक द्वारा हर मरीज की स्थिति के आधार पर किया जाता है। खाने की दवा, यदि भोजन के पहले और पानी के साथ ली जाए तो उसका असर अधिक होता है। इंजेक्शन चमड़ी के ठीक नीचे (जैसे डायबटीज में इन्सुलिन इंजेक्शन) दिया जाता है लेकिन ऐसे मांशपेशी या कभी कभी नसों में भी दिया जा सकता है।

इंजेक्शन अधिक प्रभावी है तथा इससे पेट की खराबी की समस्या कम होती है। मथियोट्रेक्सेट थेरेपी आम तौर पर लम्बे समय की होती है और कई वर्षों तक चलती है। कई चकित्सक बीमारी के नियंत्रण के ६-१२ महीने बाद तक इलाज जारी रखते हैं।

7.3 दुष्प्रभाव

ज्यादातर बच्चों में इसके दुष्प्रभाव कम होते हैं। उनमें मतिली तथा उल्टी हो सकती है। जिसे खुराक सोते समय लेकर कम किया जा सकता है। विटामिन फॉलकि एसडि भी लाभदायक होता

है।

कभी कभी दुष्प्रभाव कम करने वाली दवाओं को मथोट्रेक्सेट के पहले या बाद में लेने से और / अथवा इंजेक्शन के रूप में दवा को लेना लाभदायक होता है। दूसरे बुरे प्रभाव जैसे मूँह के छाले तथा कभी कभी शरीर पर दाने भी हो सकते हैं। खून की कणिकाओं की संख्या में कमी होना तथा लीवर की खराबी बच्चों में काफी दुर्लभ है क्योंकि दूसरे लीवर को खराब करने वाले कारण जैसे शराब आदि बच्चों में नहीं होते हैं।

यदि लीवर एंजाइम बढ़ जाते हैं तो मथोट्रेक्सेट को कुछ समय के लिए बंद कर दिया जाता है तथा ठीक होने पर फिर से शुरू किया जाता है। इसलिए इस दवा से इलाज के दौरान नियमित खून की जाँच जरूरी है। बच्चों में मथोट्रेक्सेट के इलाज से इन्फेक्शन का खतरा समान्यता: नहीं बढ़ता है।

यदि आपका बच्चा कशोर है तो दूसरी बातें भी महत्वपूर्ण हैं। शराब का सेवन पूरी तरह से रोक देना चाहिए क्योंकि यह लीवर को खराब कर सकता है। यह दवा भ्रूण को भी नुकसान पहुंचा सकती है इसलिए इलाज के समय गर्भधारण नहीं होना चाहिए।

7.4 मुख्य बाल गठिया संबंधी रोगों में उपयोग

जुवेनाइल इडओपेथिक आर्थराइटिस

जुवेनाइल डर्मेटोमायोसाइटिस

जुवेनाइल सिस्टेमिक लुपस एरथिमतोसिस

लोकलाइज्ड स्क्लेरोडर्मा

"><http://labels.fda.gov> <http://labels.fda.gov>